

52651

कालसात  
(ज्योतिष)



का

ज्ञा

भाइषटनतवे॥ ईदरमूलेनदेहृत्यजंति॥ इतिमीनरासिफ  
लं॥ ३॥ इति श्रीशिवेनाकृतकालज्ञानसमाप्तम्॥ अथ  
ग्रहदानलिख्यते॥ रविष्येनश्चतुश्च गोधुम्न॥ चंद्रमा  
वार॥ चंद्रानचन्द्रसंघश्च चंदनं॥ २॥ कुजदानहृषात  
व्यरक्तवस्तरं॥ ३॥ बुधदानहरिभुगुदश्चकरश्वरकंद  
रिवस्तरं॥ ४॥ शुकदानं॥ पीतपीतदानंच पीतवस्तर  
द॥ शनिदानं कृष्णयन्त्रश्च तिलदानं॥ ५॥ राहुदक्षिणश्च  
महिषीकुंगो॥ ६॥ केतौलेहितदानं॥ ७॥ इतिग्रहदानं॥



वर्ष ॥ ८५ ॥ मृत्युभाद्रपदमासे शुक्ल पक्षे सप्तम्यां मा  
निवासरे सुतमीषान्नक्षत्रं देहं त्यजंती ॥ इति उं भरा  
सीगुणं ॥ ११ ॥ अथ मीनरासि विधीयत गुरुवासे  
उत्तराभाद्रपदान्नक्षत्रं देवगुरुपूजितं ॥ कसनी  
कयसवत ॥ यर्मवत ॥ राजपूजित कुटंभ प्रियः ॥ अ  
ल्पवर्ष ॥ ५ ॥ वर्ष ॥ १८ ॥ वर्ष ॥ २३ ॥ वर्ष ॥ ३८ ॥ यदा  
शुभग्रहरक्षति ॥ तदा जीवन्ति वर्ष ॥ ५ ॥ ७ ॥ मृत्युआ  
षावमासो ॥ शुक्ल पक्षे ॥ अष्टम्या गुरुवासरे ॥ उत्तरा



यदा शुभग्रहरक्षिततदाजीवन्तीवर्ष॥१०॥ मृत्यू॥ आव  
णामासे शुक्लपक्षे चतुर्दश्या॥ शनिवासरे॥ अव  
णानक्षत्रे॥ अथ मेषग्रहरेदे हन्त्यजती॥ इति मकर  
राक्षिगुणा॥॥ अथ कुंभराक्षीविथी॥ सनिवासरे  
सतभिषानक्षत्रे॥ यशवतः॥ वरुभाषारतवरु  
वृद्धिपुत्रवन्तः॥ सरविचक्षाणा॥ प्रमादिक्रोधी॥  
हमाषते॥ अल्पवर्ष॥ ७॥ वर्ष॥ १३॥ वर्ष॥ ३॥ वर्ष  
४४॥ वर्ष॥ ५५॥ यदा शुभग्रहरक्षिततदाजीवन्ती



श्रीविंथीगुरुवासरे। मूलहृत्तीनक्षत्रेयनवंतपुत्रवंत  
 त्रवादी। वृद्धवासनीकेच्छया॥ अल्प॥ वपलं॥ अल्पव  
 र्ष॥ ५॥ वर्ष॥ १॥ वर्ष॥ ४॥ यदापुमग्रहरक्षेत। तदा  
 जीवन्ती॥ वर्ष॥ १०॥ श्रीवमस्तुल्यपक्षे॥ अष्टम्या  
 गुरुवासरेउषालेनदेहेनामय। इति यनरासिगु  
 णा॥ ८॥ अथसकृदरासिगुणंशानिवासरे॥ अवा  
 णानक्षत्रेपरस्पररतः॥ सुसीलगुणावन्त॥ अल्पव  
 र्ष॥ १॥ वर्ष॥ २॥ वर्ष॥ ३॥ वर्ष॥ ४॥ वर्ष॥ ५॥



का. सरेसातिनस्तत्रेप्रथमपहरेसरीगतेभवती॥ इति त्रला  
जा. राशिगुणं॥ ७॥ अथ वृश्चिकरासीविधी॥ भौमवासरे  
अनुराथानस्तत्रे॥ रथभोगीदेवगुरुभक्ताविषेककु  
थ॥ अल्पक्षया॥ अल्पमैथुनवासनीकेकष्ट॥ वर्ष॥  
वर्ष॥ २॥ वर्ष॥ ३॥ वर्ष॥ ४॥ यदाशुभग्रहरहेतु  
तदाजीवतीवर्ष॥ ५॥ सूर्यजेष्टमासे॥ पंचम्यां नौ  
मवासरे॥ अनुराथानस्तत्रे॥ अह्नरात्रौ॥ शेषमासे  
गतनृत्यजंति॥ इति वृश्चिकरासीफल॥ अथथनरा



वर्ष॥३॥वर्ष॥४॥वर्ष॥५॥यदा शुभग्रहरक्षेत्तदा जीव  
 तीवर्ष॥५॥मृत्युर्ज्येष्ठमासे शुक्लपक्षे॥पंचम्यां॥भोमवा  
 श्रेष्ठार्द्धरात्रौ॥क्षेपामारोगेन तत्रत्यज्येति॥इति कं  
 मशिगुणा॥अथ तल्लारा सिद्धिधी॥भृगुवाशे  
 नक्षत्रे॥सर्वरागी कर्मगताशी॥मैथुनपियुग  
 लपिय॥अल्पहृया॥अल्पवर्ष॥१॥वर्ष॥३॥वर्ष॥४॥  
 वर्ष॥५॥यदा शुभग्रहरक्षेत्तदा जीवति॥वर्ष॥५॥  
 ॥॥मृत्युर्वैशाखमासे शुक्लपक्षे॥पंचम्यां॥भृगुव



क. श्री रविवासरे॥ माघमासे॥ पूर्वा नक्षत्रे॥ धनभोगे॥ रास  
ज्ञा. लेदेवगुरुभक्तमयमालप्रियः॥ अल्पवर्ष॥ ध॥ वर्ष॥  
वर्ष॥ २५॥ वर्ष॥ ध॥ यदा शुभग्रहरक्षेततदा स्त्रीदत्त  
वर्ष॥ १०॥ मृत्युफालगुणमासे॥ सुक्लपक्षे॥ एकादश्या  
रविवासरे॥ मघानक्षत्रे॥ मध्याने॥ देहंत्यजति॥ प  
वं सिंह रासी गुण॥ अथ कल्याणशिविया॥ बुधनास  
री हस्त वित्रानक्षत्रे यमप्रियः॥ यशवंतमजनप्रि  
शरपंकटकावकपरदाशरत कोयी॥ अल्पवर्ष॥ १३॥



भग्नहरक्षेत्र॥ तदा जीवन्ती वर्ष ॥ ७५ ॥ मृत्यु ॥ पौष  
कृष्णपक्षे ॥ अष्टम्या ॥ बुधवासरे ॥ उद्वेसा सा देहं त्यजति ॥  
पूर्वमिष्टुनरासिफलं ॥ ३ ॥ अथ कर्करासी विधा यत्ने ॥  
चंद्रवासरे पुष्यनक्षत्रे बुधदेससी सोभा गच्छत ॥ त्वा  
गीक्रोथी ॥ अल्पवर्ष ॥ १२ ॥ वर्ष ॥ २१ ॥ वर्ष ॥ २० ॥ वर्ष ॥ ५६  
वर्ष ॥ ६ ॥ यदा शुभग्नहरक्षेत्र ॥ तदा जीवन्ति वर्ष ॥ १० ॥  
मृत्युमाचमासी ॥ अक्षपक्षे ॥ चतुर्दश्या ॥ चंद्रवासरे  
पुष्यनक्षत्रे रात्रिपथे पहरं देहं त्यजति ॥ अथ सिद्धरासी



५८  
 जा-  
 दाशरतः दसेननी ॥ अल्पमृत्युः ॥ वर्ष ॥ २२ ॥ वर्ष ॥ २३ ॥ वर्ष ॥ २४ ॥ वर्ष ॥ २५ ॥  
 वर्ष ॥ २६ ॥ यदाशु भग्नहरक्षेततदा जावेति वर्ष ॥ ८५ ॥  
 शिर्षमासेक सपक्षे अमावस्या तिथौ भृगुवासरे मृगशिरा  
 राशे हिणीनक्षत्रे ॥ अर्धरात्री अतिस्तारेण मृत्युमविष्णु ॥  
 एवं वृषराशी फले ॥ अथ मृगशिरा विधीयते ॥ अथ वा  
 सरे ॥ पुनर्वसुजक्षत्रे ॥ सर्वांगसमकोमलः ॥ सुसूक्ष्मः ॥ मे  
 युनप्रियः ॥ सोम्या ग्पवतः ॥ नानामतिसत्यवादी ॥  
 लप्रयः ॥ अल्पवर्ष ॥ ८ ॥ वर्ष ॥ २५ ॥ वर्ष ॥ २६ ॥ वर्ष ॥ २७ ॥ वर्ष ॥ २८ ॥



